No. of Printed Pages : 6

BPY–004

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

June, 2025

(Elective Course : Philosophy)

BPY-004 : RELIGIONS OF THE WORLD

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Define religion and explain its various metaphysical theories. 20

Or

Explain Jaina ethics with special reference to 'Mahapanchvrata'. 20

2. What do you understand by Religious Pluralism ? How can we proceed towards a fellowship of religions ? 20

Or

Describe Hindu ethics with special reference to four Ashramas. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) What is eight-fold path of Buddhism ? Discuss. 10

   (b) Elaborate the Zoroastrian concept of man and liberation. 10

   (c) Discuss the basic beliefs of Christianity. 10

   (d) Discuss the relation between religion and morality. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Explain 'Ekam sat viprah bahudha vadanti'. 5

(b) What are the *ten* laws that God gave to the Jewish people through Moses ? 5

(c) Explain the Kalima of Islam. 5

(d) Describe Jnana Marg of Hinduism. 5

(e) Explain Zoroastrian ethics. 5

(f) Discuss the Monotheism of Moses. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Theology 4

(b) Humanism 4

(c) Concept of Salvation in Sikhism 4

(d) Revelation 4

(e) Agnosticism 4

(f) Max Weber's view on Religion 4

(g) Kingdom of God 4

(h) Puranas 4

BPY–004

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र)

बी.पी.वाई.-004 : विश्व के धर्म

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** और **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. धर्म को परिभाषित कीजिए और इसके विविध तत्त्वमीमांसीय सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

जैन नीतिशास्त्र की इसके पंचमहाव्रत के विशेष सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए। 20

2. धार्मिक बहुलतावाद से आप क्या समझते हैं ? हम धर्मों के मध्य बन्धुत्व की ओर कैसे बढ़ सकते हैं? 20

अथवा

हिन्दू नीतिशास्त्र की व्याख्या इसके चार आश्रमों के सन्दर्भ में कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(अ) बौद्ध धर्म का अष्टांगिक मार्ग क्या है ? चर्चा कीजिए। 10

(आ) मानव एवं मुक्ति की जरथुष्ट्रीय-अवधारणा की विवेचना कीजिए। 10

(इ) ईसाई धर्म के आधारभूत विश्वासों की चर्चा कीजिए। 10

(ई) धर्म एवं नैतिकता के मध्य सम्बन्ध की चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(अ) 'एकं सत् विप्राः बहुधा वदन्ति' की व्याख्या कीजिए। 5

(आ) मूसा के माध्यम से यहूदी लोगों को ईश्वर द्वारा प्रदत्त **दस** नियम कौन-से हैं ? 5

(इ) इस्लाम के कलीमा की व्याख्या कीजिए। 5

(ई) हिन्दू धर्म के ज्ञान मार्ग का वर्णन कीजिए। 5

(उ) जरथुष्ट्रीय नीतिशास्त्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ऊ) मूसा के एकेश्वरवाद की चर्चा कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) धर्मशास्त्र/धर्ममीमांसा 4

(आ) मानववाद 4

(इ) सिख धर्म में मुक्ति की अवधारणा 4

(ई) दैवी रहस्योद्घाटन 4

(उ) अज्ञेयवाद 4

(ऊ) धर्म पर मैक्स वेबर का दृष्टिकोण 4

(ए) ईश्वर का साम्राज्य 4

(ऐ) पुराण 4

× × × × ×